चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 13 फ़रवरी 2026, अंक –214.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

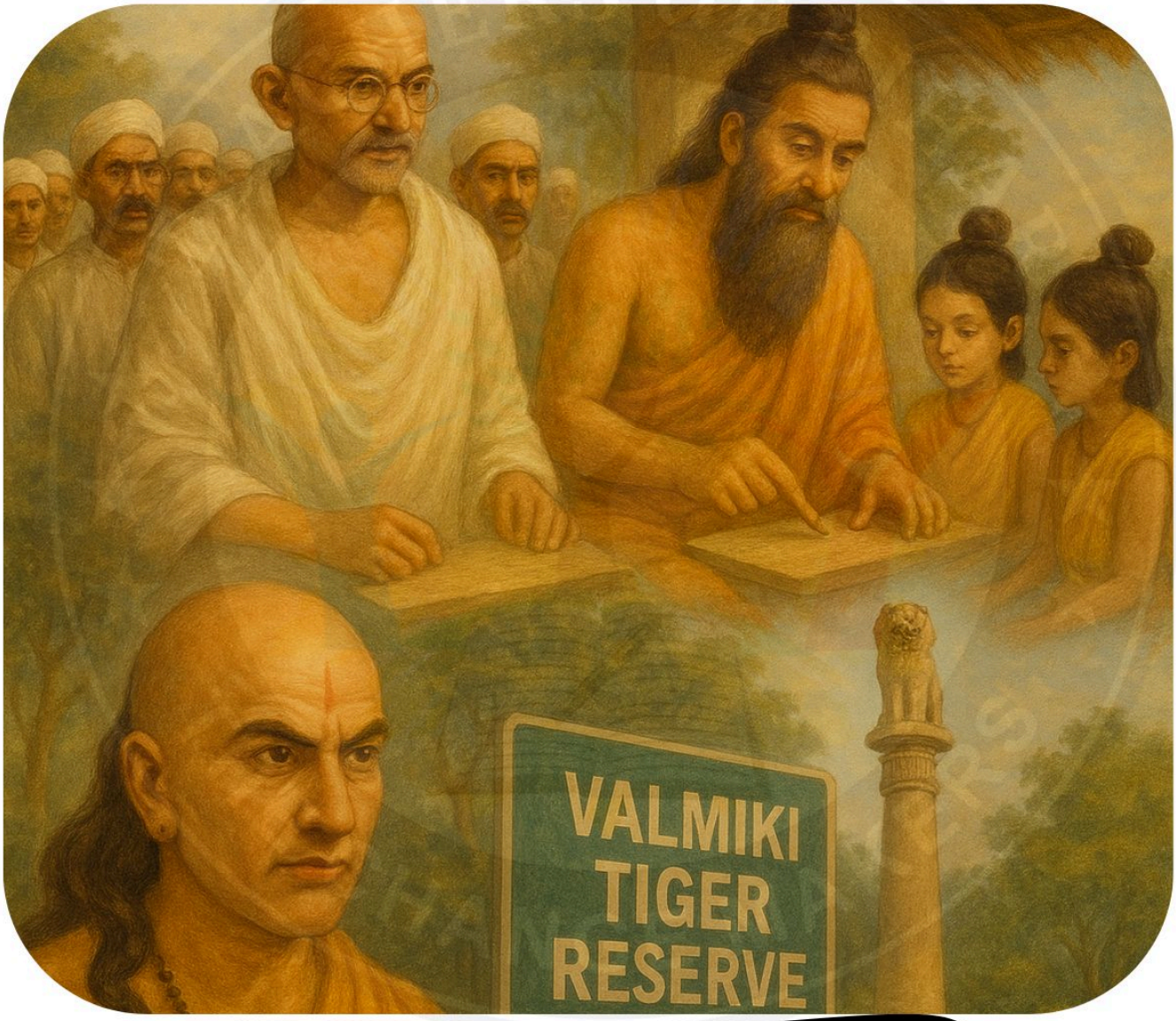

"सफलता धैर्य का पुरस्कार है।"

— जॉर्ज वाशिंगटन

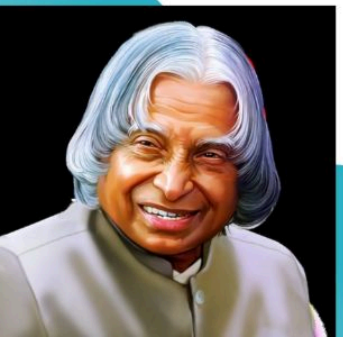

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Friday Prayer

लब पे आती है दुआ बनके तमन्ना मेरी,
जिंदगी शम्मे की सूरत हो खुदाया मेरी।

हो मेरे दम से यूं ही मेरे वतन की ज़ीनत,
जिस तरह फूल से होती है चमन की ज़ीनत।

जिंदगी हो मेरी परवान की सूरत या रब,
इल्म की शम्मा से हो मुझको मोहब्बत या रब।

हो मेरा काम ग़रीबों की हिमायत करना,
दर्दमंदों से जइफों से मोहब्बत करना।

मेरे अल्लाह बुराई से बचना मुझको,
नेक जो राह हो उस रह पे चलाना मुझको।

-मोहम्मद आलम इक़बाल

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्
शस्यश्यामलां मातरम्।
वंदे मातरम् !
शुभ्रज्योत्स्नां पुलकितयामिनीम्
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्
सुखदां वरदां मातरम्।।
वन्दे मातरम्।

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

1: नेपाल की राजधानी क्या है?
उत्तर:काठमांडू
प्रश्न 2: विश्व की पहली महिला प्रधानमंत्री जिन्होंने सबसे लंबा कार्यकाल पूरा किया?
उत्तर:श्रीमावो भंडारनायके (श्रीलंका)
प्रश्न 3: पगड़ी (पगड़ी/साफा) और मोजरी जूती किस राज्य की पारंपरिक पोशाक का हिस्सा हैं?
उत्तर:राजस्थान
प्रश्न 4: 1 से लेकर 5 तक की सभी विषम संख्याओं का योगफल कितना है?
उत्तर:9 (1+3+5)
प्रश्न 5: बिहार में 'सासाराम' किस प्रसिद्ध ऐतिहासिक शासक का मकबरा स्थित है?
उत्तर:शेर शाह सूरी
प्रश्न 6: 'वन्दे मातरम' राष्ट्रीय गीत कब और किनके द्वारा लिखा गया ?
उत्तर:बंकिमचन्द्र चटर्जी द्वारा सन 1875 ई० में।
प्रश्न 7: 'वन्दे मातरम' राष्ट्रीय गीत गाने के लिए कितना समय निर्धारित है?
उत्तर:3 मिनट 10 सेकेंड
प्रश्न 8: 'वन्दे मातरम' राष्ट्रीय गीत में कितने छंद है?
उत्तर: 'वन्दे मातरम' राष्ट्रीय गीत में कुल 6 छंद है।
प्रश्न 9: 'वृक्ष' का पर्यायवाची शब्द बताइए।
उत्तर: पेड़, तरु, ग़ाछ, दरख़्त
प्रश्न 10: रक्त का लाल रंग किस तत्व के कारण होता है?
उत्तर:हीमोग्लोबिन (लौह तत्व/आयरन के कारण)।

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Come (कम) – आना
Came (केम) – आया
Come (कम) – आ चुका / आया हुआ

See (सी) – देखना
Saw (सॉ) – देखा
Seen (सीन) – देखा गया / देख चुका

Take (टेक) – लेना
Took (टुक) – लिया
Taken (टेकन) – लिया गया

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

1. Open your book. – अपनी किताब खोलो।
2. Close your book. – अपनी किताब बंद करो।
3. Listen to me. – मेरी बात सुनो।
4. Repeat after me. – मेरे पीछे दोहराओ।

सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटाही
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 13 फरवरी को विश्व स्तर पर कौन सा दिवस मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: विश्व रेडियो दिवस
व्याख्या: संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) द्वारा प्रतिवर्ष 13 फरवरी को विश्व रेडियो दिवस मनाया जाता है। यह दिवस रेडियो को एक शक्तिशाली संचार माध्यम के रूप में सम्मानित करता है, जो सूचना तक पहुँच, स्वतंत्र अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देता है। रेडियो आपदा प्रबंधन और दूरदराज के क्षेत्रों में संचार का सबसे सुलभ माध्यम है।
संदर्भ: यूनेस्को आधिकारिक वेबसाइट, 2026।

2. हाल ही में (फरवरी 2026) किस भारतीय राज्य ने 'ओपन जेल' (खुली जेल) की अवधारणा को लागू करने वाला पहला राज्य बनने का दावा किया है? (समसामयिकी)
उत्तर: राजस्थान
व्याख्या: फरवरी 2026 में, राजस्थान सरकार ने घोषणा की कि उसने 'ओपन जेल' (खुली जेल) प्रणाली को पूरी तरह से लागू कर दिया है, जिसमें न्यूनतम सुरक्षा वाले कैदियों को जेल परिसर के बाहर कृषि और अन्य श्रम-आधारित कार्यों में शामिल होने की अनुमति है। यह कैदियों के पुनर्वास और सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राजस्थान में पहले से ही देश की सबसे पुरानी खुली जेल (सांगानेर) मौजूद है।
संदर्भ: राजस्थान सरकार गृह विभाग प्रेस विज्ञप्ति, फरवरी 2026।

3. "The Neighbour's Majlis: Pakistan's Internal Dynamics and India's External Challenges" पुस्तक के लेखक कौन हैं? (पुस्तक-लेखक)
उत्तर: सी. राजा मोहन
व्याख्या: यह पुस्तक (2025 में प्रकाशित) भारत-पाकिस्तान संबंधों पर एक गहन विश्लेषण प्रस्तुत करती है। लेखक, एक प्रतिष्ठित विदेश नीति विशेषज्ञ, पाकिस्तान के आंतरिक राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक ढांचे का अध्ययन करते हैं और यह विश्लेषण करते हैं कि ये आंतरिक गतिशीलताएँ भारत के लिए किस प्रकार की बाह्य चुनौतियाँ उत्पन्न करती हैं।
संदर्भ: हार्पर कॉलिन्स इंडिया, 2025।

4. 'राष्ट्रीय वन नीति, 1988' के अनुसार देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का कितना प्रतिशत वन क्षेत्र होना आवश्यक है? (पर्यावरण)
उत्तर: 33 प्रतिशत
व्याख्या: राष्ट्रीय वन नीति, 1988 के अनुसार देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का कम से कम 33 प्रतिशत भाग वन या वृक्ष-आच्छादित होना चाहिए। यह लक्ष्य पारिस्थितिक संतुलन, जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित किया गया था। पर्वतीय क्षेत्रों (हिमालय) के लिए यह लक्ष्य 66 प्रतिशत है।
संदर्भ: NCERT Class 8 Geography, Ch 2 Land, Soil, Water, Natural Vegetation and Wildlife Resources, पृष्ठ 17।

5. प्राचीन भारत में 'विक्रमशिला विश्वविद्यालय' की स्थापना किस पाल शासक ने की थी? (इतिहास)
उत्तर: धर्मपाल
व्याख्या: विक्रमशिला महाविहार (वर्तमान बिहार के भागलपुर जिले में) की स्थापना लगभग 8वीं शताब्दी के अंत में पाल वंश के शासक धर्मपाल (लगभग 783–820 ईस्वी) ने की थी। यह नालन्दा विश्वविद्यालय के बाद तंत्र शिक्षा का एक प्रमुख केंद्र बना। यहाँ प्रसिद्ध विद्वान दीपंकर श्रीज्ञान (अतिश) ने अध्ययन किया था।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 8 Vital Villages, Thriving Towns, पृष्ठ 85 (पाल वंश के संदर्भ में); NCERT Class 11 History, Ch 5 Nomadic Empires (शैक्षणिक केंद्रों का उल्लेख)।

6. भारत में 'काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान' किस राज्य में स्थित है? (भूगोल)
उत्तर: असम
व्याख्या: काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान असम राज्य में ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर स्थित है। यह एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है और एक सींग वाले गैंडे (ग्रेट इंडियन वन-हॉर्नड राइनोसिरोस) के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यह पार्क हाथी, जंगली भैंस, बाघ और पक्षियों की कई प्रजातियों का भी आवास है।
संदर्भ: NCERT Class 9 Geography, Ch 5 Natural Vegetation and Wildlife, पृष्ठ 58।

7. संविधान के किस अनुच्छेद में 'भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक' (CAG) के पद का प्रावधान है? (संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 148
व्याख्या: भारतीय संविधान का अनुच्छेद 148 भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) के पद की स्थापना और उससे संबंधित प्रावधानों का उल्लेख करता है। CAG भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग का प्रमुख होता है और यह संघ एवं राज्य सरकारों की सभी प्राप्तियों एवं व्ययों का लेखा परीक्षण करता है। यह संवैधानिक स्वतंत्रता और वित्तीय जवाबदेही सुनिश्चित करने वाला एक महत्वपूर्ण पद है।
संदर्भ: NCERT Class 11 Political Science, Ch 7 Federalism, पृष्ठ 94 (CAG के कार्यों का उल्लेख)।

8. 'दूध के दही में बदलने' की प्रक्रिया किस जीवाणु के कारण होती है? (विज्ञान)
उत्तर: लैक्टोबैसिलस (लैक्टोबैसिलस एसिडोफिलस)
व्याख्या: दूध का दही में परिवर्तन लैक्टोबैसिलस नामक जीवाणु के कारण होता है। ये जीवाणु दूध में उपस्थित लैक्टोज (दुग्ध शर्करा) को लैक्टिक अम्ल में परिवर्तित कर देते हैं। लैक्टिक अम्ल दूध के प्रोटीन (केसीन) को अवक्षेपित कर देता है, जिससे दूध फटकर दही का रूप ले लेता है। यह एक प्रकार का प्राकृतिक संरक्षण और किण्वन (fermentation) है।
संदर्भ: NCERT Class 8 Science, Ch 2 Microorganisms: Friend and Foe, पृष्ठ 18।

9. 'छऊ' नृत्य की कितनी प्रमुख शैलियाँ हैं और वे किन राज्यों से संबंधित हैं? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: तीन; पश्चिम बंगाल (पुरुलिया), झारखंड (सरायकेला) और ओडिशा (मयूरभंज)
व्याख्या: छऊ एक अर्ध-शास्त्रीय मुखौटा नृत्य है, जिसकी तीन प्रमुख शैलियाँ हैं: (1) पुरुलिया छऊ (पश्चिम बंगाल), (2) सरायकेला छऊ (झारखंड), (3) मयूरभंज छऊ (ओडिशा)। यह नृत्य मुख्यतः पौराणिक कथाओं, रामायण-महाभारत के प्रसंगों और युद्ध कौशल पर आधारित है। सरायकेला और पुरुलिया शैली में मुखौटों का प्रयोग होता है, जबकि मयूरभंज शैली में नहीं।
संदर्भ: NCERT Class 7 History, Ch 9 The Making of Regional Cultures, पृष्ठ 127-128।

10. बिहार के किस जिले में प्रसिद्ध 'केसरिया स्तूप' स्थित है, जिसे दुनिया का सबसे ऊँचा बौद्ध स्तूप माना जाता है? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: पूर्वी चम्पारण (केसरिया)
व्याख्या: केसरिया स्तूप बिहार के पूर्वी चम्पारण जिले के केसरिया गाँव में स्थित है। यह लगभग 104 फीट ऊँचा है और इसे दुनिया का सबसे ऊँचा बौद्ध स्तूप माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि सम्राट अशोक ने इस स्तूप का निर्माण करवाया था और बाद में इसमें विस्तार किया गया। यह स्थल भगवान बुद्ध के जीवन से जुड़ा हुआ है।
संदर्भ: बिहार पर्यटन विभाग; NCERT Class 6 History, Ch 8 Ashoka, The Emperor Who Gave Up War, पृष्ठ 81 (स्तूप निर्माण परंपरा)।

"सामान्य-ज्ञान"

11. आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया (रक्ताल्पता) से बचने के लिए विद्यार्थियों को अपने आहार में किन खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा फरवरी W2)

उत्तर: एनीमिया से बचने के लिए विद्यार्थियों को अपने आहार में आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे हरी पत्तेदार सब्जियाँ (पालक, मेथी), फलियाँ (दालें, राजमा), मेवे (किशमिश, बादाम), तथा विटामिन-C युक्त खट्टे फल (नींबू, संतरा, आँवला) शामिल करने चाहिए ताकि आयरन का अवशोषण बढ़े। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (NFHS-5) के अनुसार, बिहार में 5 वर्ष से कम आयु के 63.5% बच्चे एनीमिया से पीड़ित हैं। एनीमिया से थकान, एकाग्रता में कमी, रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी और शैक्षणिक प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। विद्यालय आयरन-फोलिक एसिड (IFA) गोलियों के वितरण, खाना पकाने के लिए लोहे की कड़ाही के उपयोग को प्रोत्साहन, तथा साप्ताहिक आयरन दिवस जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से एनीमिया की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

12. एक निश्चित कूट भाषा में, यदि 'CHANDIGARH' को 'DIBOEJHSI' लिखा जाता है, तो उसी कूट में 'HIMACHAL' को क्या लिखा जाएगा? (मानसिक योग्यता)

उत्तर: IJNBDIBM

व्याख्या: यहाँ प्रत्येक अक्षर को अंग्रेजी वर्णमाला में एक स्थान आगे वाले अक्षर से बदला गया है। . C → D, H → I, A → B, N → O, D → E, I → J, G → H, A → B, R → S, H → I.

अतः CHANDIGARH → DIBOEJHSI., इसी नियम (+1) के अनुसार HIMACHAL: H(8) → I(9), I(9) → J(10), M(13) → N(14), A(1) → B(2), C(3) → D(4), H(8) →I(9), A(1) → B(2), L(12) → M(13)., अतः HIMACHAL का कूट IJNBDIBM होगा।

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Analyze(एनालाइज़)=Examine Carefully (जाँच-पड़ताल करना) = विश्लेषण करना

Antonym – Ignore (इग्नोर) = अनदेखा करना

Courage (करिज) = Bravery (ब्रेव्री) = साहस

Antonym – Cowardice (कावर्डिस) = कायरत

Ancient (एंशिएंट) = Old (ओल्ड) = प्राचीन

Antonym – Modern (मॉडर्न) = आधुनिक

Expand (एक्सपैंड) = Enlarge (एनलार्ज) = विस्तार करना

Antonym – Contract (कॉन्ट्रैक्ट) = संकुचित करना

Protect (प्रोटेक्ट) = Defend (डिफेंड) = रक्षा करना

Antonym – Attack (अटैक) = आक्रमण करना

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

1. Centre reviews progress of administrative reforms and service delivery
केंद्र सरकार ने प्रशासनिक सुधारों और जनसेवा वितरण की प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की। बैठक में ई-गवर्नेंस, समयबद्ध फाइल निस्तारण और शिकायत निवारण प्रणाली को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। सरकार का लक्ष्य है कि नीतियों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शी और त्वरित रूप से पहुँचे।

2. India pushes skill development linked with emerging technologies
भारत सरकार ने कौशल विकास कार्यक्रमों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा और सेमीकंडक्टर जैसे उभरते क्षेत्रों से जोड़ने की पहल तेज की है। इससे युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ेगी और उद्योगों को प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध होगा, जो आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को मजबूत करेगा।

3. Health Ministry strengthens disease surveillance and digital health systems
स्वास्थ्य मंत्रालय ने रोग निगरानी प्रणाली और डिजिटल हेल्थ प्लेटफॉर्म को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए हैं। रियल-टाइम डेटा, टेलीमेडिसिन और ई-हेल्थ रिकॉर्ड पर जोर दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हो सके।

INTERNATIONAL NEWS

4. Global leaders discuss economic stability amid changing geopolitical scenario
दुनिया के प्रमुख देशों के नेताओं ने वैश्विक आर्थिक स्थिरता और भू-राजनीतिक चुनौतियों पर चर्चा तेज की है। व्यापार संतुलन, ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने पर सहमति बनी है, जो अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

5. Climate action gains momentum with focus on renewable energy
विभिन्न देशों ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश बढ़ाने की घोषणा की है। सौर, पवन और हरित हाइड्रोजन को भविष्य की ऊर्जा के रूप में देखा जा रहा है, जिससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आने की उम्मीद है।

6. Space cooperation expands with new joint research initiatives
अंतरिक्ष अनुसंधान में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को लेकर नई संयुक्त परियोजनाओं की घोषणा हुई है। उपग्रह तकनीक, पृथ्वी अवलोकन और गहरे अंतरिक्ष मिशनों पर साझा शोध से वैज्ञानिक प्रगति और आपदा प्रबंधन क्षमताओं में सुधार की संभावना है।

BIHAR NEWS

7. Bihar government reviews education and teacher training programs
बिहार सरकार ने शिक्षा व्यवस्था और शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा की। डिजिटल उपस्थिति, नियमित निरीक्षण और अकादमिक गुणवत्ता सुधार पर विशेष बल दिया गया। इससे सरकारी विद्यालयों में सीखने के स्तर में सुधार की उम्मीद की जा रही है।

8. Development works monitored to ensure timely completion
राज्य के विभिन्न जिलों में चल रही विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि बुनियादी ढांचे के विकास से आम जनता को सीधा लाभ मिल सके।

SPORTS NEWS

9. ICC Men's T20 World Cup 2026 enters crucial phase
आईसीसी टी-20 विश्व कप 2026 में मुकाबले निर्णायक दौर में पहुँच रहे हैं। टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है और सेमीफाइनल की तस्वीर धीरे-धीरे साफ हो रही है।

10. Indian athletes deliver strong performances in global tournaments
विभिन्न अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भारतीय खिलाड़ियों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। पदकों और फाइनल में पहुँचने से भारत की खेल साख मजबूत हुई है, जिससे आगामी ओलंपिक और विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए उत्साह बढ़ा है।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"निरंतर अध्ययन और समसामयिक घटनाओं की समझ ही प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का सबसे मजबूत आधार है।"

अनुभाग-6

प्रेरक पहल
"तीसरी आंख की निगरानी में- BRC बगहा 2"

पश्चिमी चंपारण के प्रखंड बगहा–2 में स्थित बीआरसी (प्रखंड संसाधन केंद्र) शिक्षा के उजाले का केंद्र था। यहाँ शिक्षक प्रशिक्षण लेते, नवाचार सीखते और बच्चों के भविष्य की नींव रखते। परिसर में हरियाली, फूलों के गमले और शांत वातावरण था, जो शिक्षकों के श्रम और प्रेम से सजा था।

दो वर्ष पहले एक छोटी घटना ने सब बदल दिया। वरिष्ठ शिक्षक विश्वनाथ प्रसाद की मीटिंग के बाद उनका हेलमेट गायब हो गया। मजाक उड़ा, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी —"आज हेलमेट गया, कल गरिमा पर आँच आ सकती है।" उनकी बात सच साबित हुई। धीरे-धीरे छोटी-छोटी चोरियाँ बढ़ीं—बर्तन, साउंड सिस्टम, शॉल, गमले और एक दिन हैंडपंप की विद्युत मोटर तक काट ली गई थी। शिक्षकों द्वारा जेब से लगाए पौधे गायब होने लगे। हर चोरी के साथ भरोसा टूटता गया। बीआरसी अब असुरक्षा की छाया में था।

प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (BEO) श्री फुदन राम ने इसे गंभीरता से लिया। वे धरातल पर बदलाव में विश्वास रखते थे। लेखा सहायक श्री रंजन कुमार के साथ बैठक हुई। पूर्व प्रखंड संसाधन सेवी शैलेन्द्र कुमार ने अपने अनुभव से सुझाव दिया—"मेरे स्कूल में CCTV लगवाने से चोरियाँ रुक गईं।" पिंटू कुमार ने भी समर्थन किया। BEO ने तुरंत निर्णय लिया —BRC को CCTV और Wi-Fi से सुरक्षित करेंगे, मिशन मोड में।

8 फरवरी 2026, रविवार का दिन। छुट्टी के बजाय संकल्प का दिन। BEO श्री फुदन राम और रंजन कुमार सुबह से शाम तक मौजूद रहे। शैलेन्द्र कुमार, पिंटू कुमार, भजु राम, म० इलियास, रामू राम, मोती राम, जयनाथ राम और टेक्नीशियन टीम ने पूरी निष्ठा से काम किया। सीढ़ियाँ लगीं, तार बिछे, कैमरे फिट हुए। धूप में पसीना बहा, लेकिन कोई नहीं रुका। नेतृत्व ने दिखाया कि सच्चा अफसर आदेश देता नहीं, साथ खड़ा होता है।

शाम ढलते ही कंट्रोल रूम की स्क्रीन जागी। मुख्य द्वार, मोटर रूम, हॉल, गमलों का कोना —सब कुछ 'तीसरी आँख' की निगरानी में आ गया। Wi-Fi ने पूरा परिसर डिजिटल कवच में ढक दिया। स्क्रीन ऑनलाइन होते ही तालियों की गड़गड़ाहट गूंजी—यह जीत सामूहिक निष्ठा की थी।

आज बीआरसी बगहा–2 सुरक्षित है। गमले अब खिलते हैं, संसाधन सुरक्षित हैं, विश्वास लौट आया। विश्वनाथ जी की चेतावनी का जवाब मिला—"अब कुछ नहीं जाएगा।"

यह कहानी केवल CCTV की नहीं—कुशल नेतृत्व, स्पष्ट नियत, समर्पित टीम और सामूहिक चेतना की है। जब ईमानदारी और तकनीक हाथ मिलाते हैं, तो विकास की नींव कभी नहीं डगमगाती। बीआरसी बगहा–2 अब मॉडल बन चुका है—शिक्षा के मंदिर की रक्षा का जीता-जागता उदाहरण।

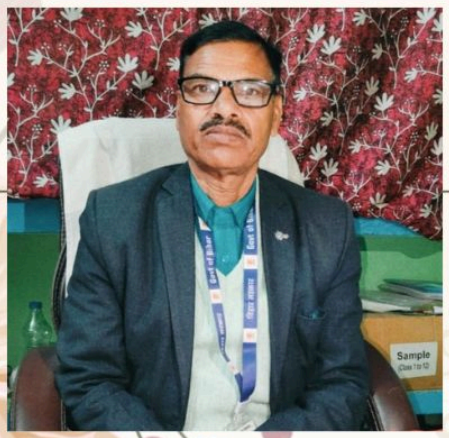

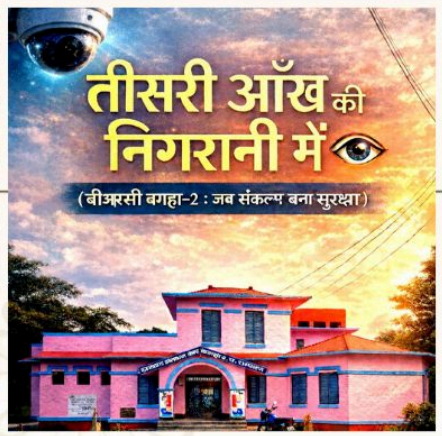

मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें।

"शिक्षक संवर्धन"

"विद्यालय में नैतिक शिक्षा"

13.02.2026 जैसे ही सुबह सुबह दिन की शुरुआत में आप समाचार पत्र के पन्ने पलटिए या टेलीविजन पर प्रसारित हो रहे समाचार सुनिए या मोबाइल के माध्यम से सोशल मीडिया से जुड़िए तो उस पर आ रही सूचनाएं वैसी रहती हैं जिनको देखकर या सुनकर मन व्यथित एवं उद्वेलित हो उठता है। नैतिकता नाम की चीज तो जैसे बची ही नहीं। रिश्तों की टूटती मर्यादाएं, गायब हो रहे अपनत्व एवं भाईचारे की घटनाओं से देश का हर नागरिक सोचने को मजबूर हैं कि हमारा समाज किस ओर जा रहा है। हम अपने नव-निहालों के लिए किस प्रकार के शिक्षा की व्यवस्था कर रहे हैं। शिक्षा में नैतिकता के हो रहे इस लोप से आज सभी चिन्तित हैं।

हमारे शैक्षिक प्रशासक एवं शिक्षाविद भी उपरोक्त चिन्ताओं से वाकिफ होते हैं और तदानुसार देश की शिक्षा व्यवस्था में अपेक्षित बदलाव करते रहते हैं। पहले विद्यालयों में नैतिक शिक्षा एक विषय के रूप में शामिल था। कालांतर में यह धारणा विकसित हुई कि नैतिकता एक मानवीय गुण है जो सभी विषयों की शिक्षा में समाहित है इसको अलग से पढ़ा कर बच्चों पर कहीं न कहीं हम एक अतिरिक्त विषय का बोझ डाल रहे हैं। मेरा ऐसा मानना है कि विद्यालय में नैतिक शिक्षा देने से बच्चों में अच्छे संस्कार, अनुशासन, ईमानदारी, सहानुभूति और जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है, परन्तु इसके लिए हमें नैतिक शिक्षा व्यवहारिक रूप से देने की व्यवस्था करनी चाहिए।

विद्यालय में नैतिक शिक्षा को व्यवहारिक बनाने के लिए सबसे अच्छा तरीका है चेतना या प्रार्थना सत्र सही उपयोग करना। प्रतिदिन प्रतिदिन प्रार्थना के साथ नैतिक विचार छोटी-छोटी प्रेरणादायक कहानियों के माध्यम से दी जा सकती है। महान व्यक्तियों के जीवन प्रसंग को सुनाया जा सकता है। राष्ट्रीय गीत, विभिन्न दिवसों के अवसर पर शपथ और नैतिक संदेश दे सकते हैं। छात्रों के नियमित, अनुशासन, स्वच्छता पर चर्चा कर छात्रों में अनुशासन और सकारात्मक सोच विकसित कर सकते हैं।

पूर्व प्राथमिक एवं प्राथमिक कक्षाओं में कहानी एवं उदाहरण विधि द्वारा पंचतंत्र, हितोपदेश, महापुरुषों की कहानियाँ सुनाकर छात्रों को वास्तविक जीवन में आने वाली समस्याओं से जूझकर समाधान ढूंढने में सक्षम बना सकते हैं। वर्ग में कहानी, कविता या कुछ भी पढ़ाने के बाद छात्रों से यह चर्चा कर कि “इससे हमें क्या सीख मिली ?”हम छात्रों में स्वयं निष्कर्ष निकालने का गुण विकसित कर सकते हैं।

विद्यालय के छात्रों में नैतिकता विकसित करने का सबसे प्रमुख अस्त्र है, हम शिक्षकों के खुद का व्यवहार। हमें स्वयं समय का पालन करना चाहिए, छात्रों एवं सबों के साथ विनम्र भाषा का प्रयोग करते हुए निष्पक्ष व्यवहार करना चाहिए क्योंकि छात्र अनुकरण से ज्यादा सीखते है। कक्षा में गतिविधि आधारित शिक्षा जिसमें रोल प्ले, समूह चर्चा, नाटक, पोस्टर और स्लोगन प्रतियोगिता को सम्मिलित कर सकते हैं। विद्यालय में स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, जरूरतमंदों की मदद जैसे सामुदायिक सेवा कार्य आयोजित कर सहयोग एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित कर सकते हैं। हमारे पाठ्यक्रम में समाहित हिंदी, सामाजिक विज्ञान गणित जैसे विषयों से भी नैतिक मूल्यों पर चर्चा कर सकते हैं।

इसके अतिरिक्त वर्ष का सर्वश्रेष्ठ छात्र, अनुशासन पुरस्कार, समयनिष्ठ छात्र सम्मान, स्वच्छ कक्षा पुरस्कार जैसे सम्मान वितरित कर छात्रों को अभिप्रेरित कर सकते हैं। शिक्षक अभिभावक बैठकों में में नैतिक मूल्यों पर चर्चा कर हम घर और विद्यालय के बीच नैतिकता में समन्वय स्थापित कर सकते हैं।

हम कह सकते हैं कि नैतिक शिक्षा एक विषय नहीं हो सकता बल्कि यह जीवन जीने की कला है। आज समय की मांग है कि हम इस पर चिन्तन करें। यदि हम अपने विद्यालय में नियमित रूप से चेतना सत्र में प्रार्थना, कहानी, व्यवहार, गतिविधि और सामाजिक सेवा को सम्मिलित करें और विभागीय दिशा निर्देशों के अनुरूप संचालित करें तो हम अपने विद्यालय के छात्रों में नैतिक मूल्यों का विकास कर उन्हें जिम्मेदार और आदर्श नागरिक बना सकते हैं। तो आईए हम अपने विद्यालय के छात्रों में नैतिक मूल्यों के विकास की जिम्मेदारी ग्रहण करें।

.................✍

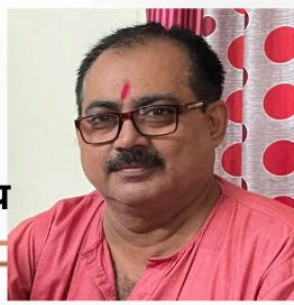

मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

"परीक्षा पर चर्चा "

"आज आखिरी पेपर, अब बस शांत मन से उत्सव मनाना है"

13.02.2026 Exam Warriors! आज 13 फरवरी 2026 है – बिहार बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 का आखिरी दिन। सुबह से लाखों छात्र अपने अंतिम पेपर के लिए तैयार हो रहे हैं। कई महीनों की मेहनत, अनगिनत रातें, अनुशासन और धैर्य – सब आज एक अंतिम मुहर लगाने जा रहे हैं। मैट्रिक के योद्धाओं के लिए अभी 4 दिन बाकी हैं, लेकिन आज का पूरा संदेश उन इंटरमीडिएट छात्रों के लिए है जो आज अपना अंतिम पेपर देने जा रहे हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का संदेश आज सबसे पहले आपके लिए है। उन्होंने कहा था: "परीक्षा का आखिरी दिन उत्सव का दिन होता है। तुमने जो मेहनत की है, वह पहले ही तुम्हें जीत दिला चुकी है। अब बस शांत मन से अपना बेस्ट दो और बाहर आकर गर्व से मुस्कुराओ।"

आज का दिन ज्यादा पढ़ाई का नहीं है। आज का दिन है अपनी मेहनत को याद करने का, आत्मविश्वास को अंतिम रूप देने का और मन को पूरी तरह शांत रखने का। सुबह उठते ही 10 मिनट गहरी साँस और हल्का स्ट्रेचिंग करें। ब्रेकफास्ट हल्का लेकिन ऊर्जा से भरपूर लें – केला, दूध, मुट्ठीभर बादाम या फल। दिन में सिर्फ 1 घंटे का हल्का रिव्यू करें – अपनी मजबूत टॉपिक्स, फॉर्मूला और की-पॉइंट्स को एक बार देखें। कोई नया टॉपिक या नया नोट बिल्कुल न छुएँ। शाम को 20-30 मिनट में आज के पेपर के सबसे महत्वपूर्ण 8-10 बिंदु दोहराएँ। रात 10 बजे तक सो जाएँ और कम से कम 7-8 घंटे की गहरी नींद लें।

कल सुबह का रूटीन बहुत महत्वपूर्ण है। समय से उठें। 5 मिनट गहरी साँस और स्ट्रेचिंग करें। हल्का ब्रेकफास्ट लें। मन में 5 बार दोहराएँ – "मैं तैयार हूँ। मैं शांत हूँ। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दूँगा।" समय से 1 घंटा पहले केंद्र पहुँचें। पेपर मिलते ही पहले पूरा प्रश्न-पत्र ध्यान से पढ़ें। आसान और मध्यम प्रश्न पहले करें ताकि आत्मविश्वास बना रहे। उत्तर में मुख्य बिंदु पहले लिखें और फिर विस्तार दें। यदि कहीं अटकें तो गहरी साँस लें और आगे बढ़ें। आखिरी 10 मिनट में सभी उत्तर चेक करें और छोटी गलतियाँ सुधारें। पेपर जमा करने के बाद बाहर आते ही खुद से कहें – "मैंने पूरा प्रयास किया। अब मैं मुक्त हूँ।"

अभिभावकों से आज का संदेश बहुत सरल है। बच्चे से बस इतना कहें – "आज आखिरी पेपर है। तुमने जो मेहनत की है, वह पहले ही जीत दिला चुकी है। बस शांत मन से अपना बेस्ट दो। हम तुम्हारे साथ हैं – हमेशा।" परीक्षा खत्म होने पर बच्चे को गले लगाएँ और कहें – "तुमने कर दिखाया। अब आराम करो। हम बहुत गर्व महसूस कर रहे हैं।"

शिक्षक साथियों से अपील है कि छात्रों को यही कहें – "सात पेपर हो चुके हैं। तुम पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो। आज बस अपना धैर्य और आत्मविश्वास दिखाओ।"

बिहार के इंटरमीडिएट के सभी योद्धाओं! आज आखिरी पेपर है। यह सिर्फ एक पेपर नहीं, बल्कि आपकी मेहनत, संयम, धैर्य और लगन की अंतिम मुहर है। परीक्षा खत्म होने के बाद बाहर आकर गर्व से मुस्कुराएँ – क्योंकि आपने कर दिखाया।

मैट्रिक के योद्धाओं – आपकी बारी भी जल्दी आएगी।

सभी परीक्षार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएँ! कल से नई शुरुआत होगी। 🌟

कल फिर मिलेंगे – इंटर के समापन और मैट्रिक की अंतिम तैयारी के साथ। जय हिंद! जय बिहार!

..................✍️
रवीन्द्र कुमार
ज़िला शिक्षा पदाधिकारी
प. चम्पारण, बेतिया।

अनुभाग-9

"मेरा विद्यालय मेरी प्रतिष्ठा"

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा - 2

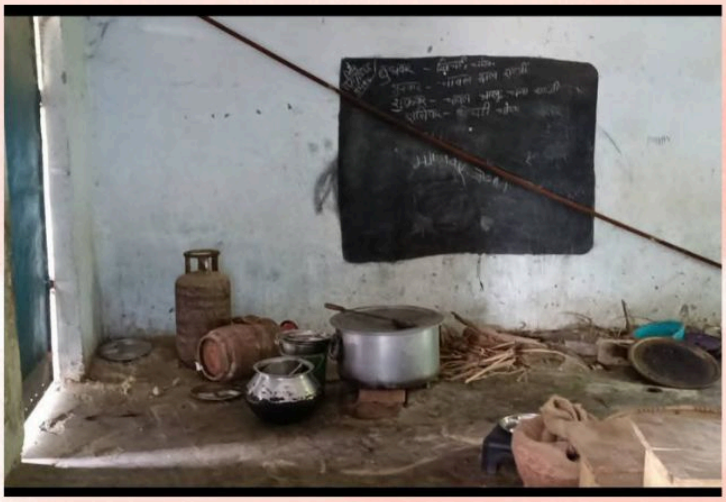

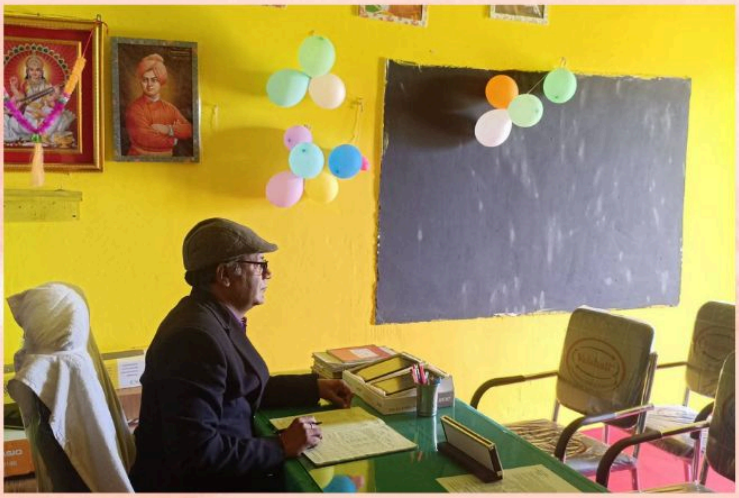

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा -2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org